भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 268 का उत्तर

रेलवे में भर्तियां घटने के कारण

268. श्री सुखदेव भगत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से 2023 तक रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा लेवल-3, लेवल-4, लेवल-5 और लेवल-6 में जारी की गई अधिसूचनाओं का वर्ष-वार और पद-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2014 से 2023 तक सीधी भर्ती के अंतर्गत वेतन स्तर 3, 4, 5 और 6 में इस पद के लिए वर्ष-वार और पद-वार कुल कितने उम्मीदवारों की भर्ती की गई;

(ग) वर्ष 2014 से 2023 तक वेतन स्तर 3, 4, 5 और 6 में सेवानिवृत्त, त्यागपत्र देने वाले अथवा पद त्यागने वाले कर्मचारियों की वर्ष-वार और पद-वार कुल संख्या कितनी है;

(घ) वर्ष 2014 से 2023 तक वर्ष-वार कुल कितनी नई रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू किया गया; और

(ङ) वर्ष 2014 से 2023 तक रेलवे में सामान्य, शयनयान, 3 वातानुकूलित, द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित और प्रथम श्रेणी वातानुकूलित जैसे कुल कितने सवारी डिब्बे जोड़े गए?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

रेलवे में भर्तियां घटने के कारण के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री सुखदेव भगत के अतारांकित प्रश्न सं. 268 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालनिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकी में परिवर्तनों, यांत्रिकीकरण और नवोन्मेष पद्धतियों के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति प्रदान की जाती है। रिक्तियों को परिचालनिक व प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुसार मुख्यतः रेलवे द्वारा भर्ती एजेंसियों को मांग-पत्र भेजकर भरा जाता है।

कोविड-19 के कारण लागू प्रतिबंधों में ढील देने के बाद, दो बड़ी परीक्षाओं जिनमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया, का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

1.26 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) 28.12.2020 से 31.07.2021 तक 7 चरणों में 211 शहरों और 726 केंद्रों में 68 दिनों में 133 पालियों में आयोजित की गई थी।

इसी तरह, 1.1 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा 17.08.2022 से 11.10.2022 तक 5 चरणों में 191 शहरों और 551 केंद्रों में 33 दिनों में 99 पालियों में आयोजित की गई थी।

इस परिक्षाओं के आधार पर रेलों पर 1,30,581 अभ्यार्थियों की भर्ती की गई है।

रेलवे भर्ती बोर्ड की परिक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर लोगों और संसाधनों को जुटाना तथा जनशक्ति को प्रशिक्षण देना शामिल होता है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों को पार किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

s.k

2004-2014 की तुलना में 2014-2024 के दौरान भारतीय रेलों में की गई भर्तियां निम्नानुसार हैं:-

अवधि	भर्तियां
2004-2014	4.11 लाख
2014-2024	5.02 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए इस वर्ष वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। तदनुसार, सहायक लोको पायलटों, तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल में उप-निरीक्षकों और कांस्टेबलों के पदों को भरने के लिए जनवरी से मार्च 2024 के दौरान 32,603 रिक्तियों के लिए चार केंद्रीकृत अधिसूचनाएं अधिसूचित की गई हैं। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत करने से अभ्यर्थियों को निम्नानुसार लाभ होगा:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालें अभ्यर्थियों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

(घ) और (ङ): 2014-2015 से 2023-2024 के दौरान, भारतीय रेल नेटवर्क पर 1926 नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की गई हैं। इस अवधि के दौरान, 54,809 नए सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं।

भारतीय रेल उपनगरीय कम दूरी की यात्री रेलगाड़ियां, अलग-अलग संरचना वाली लंबी दूरी वाली/मेल एक्सप्रेस/सुपरफास्ट रेलगाड़ियों, जैसी विभिन्न प्रकार की नियमित समय-सारणी वाली रेलगाड़ियों जो यात्रियों के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं, का परिचालन करती है। मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना के संबंध में मौजूदा नीति में, 22 सवारी डिब्बों वाली रेलगाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के अवातानुकूल सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

s.k

वर्तमान में, रेलगाड़ी सेवाओं के परिचालन के लिए उपयोग किए जा रहे सभी सवारी डिब्बों में से, लगभग दो तिहाई अवातानुकूलित और एक तिहाई वातानुकूलित डिब्बे हैं। अवातानुकूलित सवारी डिब्बों वाले यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने 10,000 सामान्य और शयनयान श्रेणी (अवातानुकूलित) सवारी डिब्बों के विनिर्माण की भी योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अमृत भारत श्रृंखला जो पूरी तरह से अवातानुकूलित रेलगाड़ियां हैं तथा यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करती हैं, का भी परिचालन शुरू किया है।

*****

s.k